हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 10 अंक : 303 | देहरादून, शुक्रवार, 03 जून, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

अपना गांव, घर ना छोड़े, पूर्वजों की विरासत, संस्कृति एवं संस्कारों को संजो कर रखें : ऋतू भूषण खंडूरी

3

दूरस्थ गांव तक सरकार की स्कीम पहुंचाना मेरा लक्ष्य : सौरभ बहुगुणा, कैबिनेट मंत्री

आशीष तिवारी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रदेश की धामी सरकार में युवा कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा अपनी सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों को अब आधुनिक तकनीकि के सहारे जन जन तक पहुंचाने में जुटे हैं। इसी अभियान को रफ़्तार देने के लिए विधान सभा से ख़ास जागरूकता वैन को प्रदेश भर में अब दौड़ाया जा रहा है जो पहाड़ के कोने कोने में बसे गाँव गाँव जाकर लोगों को सरकार और ख़ास कर पशुपालन , दुग्ध और कौशल विकास से जुडी योजनाओं की जानकारी प्रदेशवासियों को उनके घर पहुँच कर देगी।

इस नई पहल को शुरू किया है उत्तराखंड कौशल विकास मिशन (यूकेएसडीएम) उत्तराखंड सरकार और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी), उत्तराखंड राज्य कार्यालय ने जिसका मकसद आम आदमी तक सरकार की योजनाओं और कार्यकर्मों को पहुँचाना है। इसी मकसद के साथ मंत्री सौरभ बहुगुणा ने उत्तराखंड राज्य में तीन कौशल रथ (मोबाइल वैन) को रवाना किया है।

इन सभी जागरूकता वैन को कौशल विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा ने विधानसभा से झंडी दिखाकर रवाना किया । आपको बता दें कि इन वैनों द्वारा राज्य के 260 गांवों को कवर किया जायेगा। इन वैनों द्वारा प्रदेश सरकार द्वारा कौशल विकास हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं यथा आई०टी०आई०, लघु अवधि कौशल प्रशिक्षण, कौशल प्रतियोगिता की जानकारी सुदूर क्षेत्र के युवाओं को प्रदान की जाएगी। इस पहल से कौशल विकास कार्यक्रम में राज्य के युवा विशेषकर महिलाएं अनुसूचित जाति / जनजाति के युवाओं की प्रतिभागिता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

जम्मू में शहीद हुए टिहरी के जांबाज़ प्रवीण सिंह, सीएम ने जताया शोक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

वीरभूमि और सैनिको की शहादत से भरी गौरवशाली कहानियां देवभूमि उत्तराखंड को पहचान हैं । अब इस कड़ी में एक और बलिदान की कहानी जुड़ गई है। जम्मू-कश्मीर के शोपियां क्षेत्र में राष्ट्ररक्षा करते हुए टिहरी जनपद के पांडोली गांव के निवासी वीर जवान प्रवीन सिंह की शहादत पर देश और सैन्यधाम उत्तराखंड भी शत-शत नमन कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है।

सर्वोच्च बलिदान देकर उत्तराखंड और अपने परिवार का नाम शहीदों की फेरहिस्त में लिखवा कर शहीद हो चुके प्रवीण सिंह को मुख्यमंत्री धामी और कई मंत्रियों , सामाजिक संगठनों ने नमन करते हुए उनकी शहादत को सलाम किया है। टीवी न्यूज वायरस भी शहीद जवान प्रवीण सिंह के द्वारा देश की अखंडता एवं संप्रभुता के लिए दिया

गए बलिदान को सलाम करते हए ये भरोसा करती है की देश प्रदेश के लाखों नौजवानों

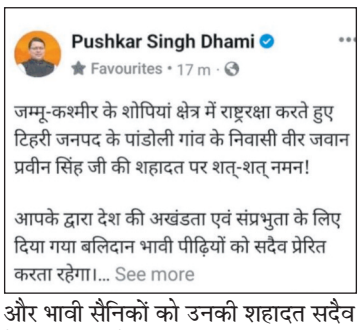

और भावी सैनिकों को उनकी शहादत सदैव प्रेरित करती रहेगी।

आपको बता दें कि जम्मू-कश्मीर के शोपियां क्षेत्र में दुश्मनों से लोहा लेते हुए मां भारती की सेवा करते हुए टिहरी जिले के पांडोली गांव के वीर जवान प्रवीन सिंहशहीद हो गए है । जवान के शहीद होने की सूचना आज ही उनके परिवार को मिली है। जिसके बाद उनके घर परिवार और गांव में शोक का माहौल दिखाई दे रहा है।

उत्तरकाशी में सौ मीटर गहरी खाई में गिरा वाहन, एक की मौत, तीन घायल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बड़कोट (उत्तरकाशी)। बड़कोट क्षेत्र में स्यालव-कुर्सील मोटर मार्ग पर हुई मैक्स वाहन दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि तीन घायल हो गए हैं। जिनमें से दो घायलों को हायर सेंटर देहरादून रैफर किया गया है। वहीं वाहन चालक फरार बताया जा रहा है। बृहस्पतिवार को करीब सुबह 8 बजे स्यालव-कुर्सील मोटर मार्ग पर नगाण गांव के समीप एक मैक्स वाहन दुर्घटना ग्रस्त हो गया।

वाहन स्यालव गांव से स्थानीय सवारियों को लेकर बड़कोट की ओर आ रहा था। जोकि अनियंत्रित होकर करीब 100 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। वाहन में चालक सहित पांच लोग सवार थे। दुर्घटना की सूचना पर बड़कोट पुलिस, एसडीआरएफ व एनडीआरएफ ने स्थानीय लोगों की सहायता से रेस्क्यू अभियान शुरू किया।

दुर्घटना में जयवीर लाल (50) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि प्रह्लाद सिंह, सुनील व विनोद सिंह घायल हो गए। घायलों को 108 की मदद से उपचार के लिए सीएचसी बड़कोट लाया गया। सीएचसी बड़कोट में प्राथमिक उपचार के बाद घायल विनोद पंवार व सुनील चौहान को हायर सेंटर देहरादून रैफर किया गया। वाहन चालक फरार बताया जा रहा है। पुलिस दुर्घटना का कारण ओवर स्पीड मान रही है। सीओ सुरेंद्र भंडारी ने बताया कि वाहन चालक को तलाश किया जा रहा है।

जिस स्थान पर वाहन दुर्घटनाग्रस्त हुआ वहां पर तीखा ढलान होने के साथ ही बैंड भी था। प्रशासन का मानना है कि यहां पर तेज रफ्तार व असावधानी दुर्घटना का कारण बनी। उक्त स्थान पर विवाद होने के कारण विभाग डामरीकरण व सड़क का चौड़ीकरण कार्य नहीं कर पाया था। एसडीएम शालिनी नेगी ने बताया कि कार्यदायी संस्था ने सड़क सुधारीकरण का कार्य शुरु कर दिया है। एसडीएम नेगी ने बताया कि परिवहन विभाग को भी जांच के लिए कहा गया है।

कालाढूंगी पहुंचे सीएम धामी, नहर कवरिंग कार्य का किया निरीक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कालाढूंगी विधानसभा में प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय पुष्कर सिंह धामी ने चौपुला से ऊंचापुल,हिम्मतपुर तल्ला और पनचक्की, चौपुला,कठघरिया से कमलवागांजा तक नहर कवरिंग कार्य का निरीक्षण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि नहर कवरिंग कार्य के पूर्ण होने से यह मार्ग बाईपास का काम करेंगे जिससे हल्द्वानी शहर की ट्रैफिक की समस्या का समाधान होगा।

इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से अवशेष धनराशि जारी करने का अनुरोध किया जिस पर माननीय मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि शीघ्र अवशेष धनराशि जारी कर दी जाएगी।

निरीक्षण के दौरान विधायक बंशीधर भगत ,मंडल अध्यक्ष नवीन भट्ट ,मंडल महामंत्री कमल पांडे , विधायक प्रतिनिधि विकास भगत ,तनुज नैनवाल ,राजेश कुमार शर्मा व अन्य उपस्थित थे।

उत्तराखंड में PMKSY-PDMC के तहत दी जाने वाली सब्सिडी 55% से बढ़कर हुई 80%

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधू की प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की राज्य स्तरीय अनुमोदन समिति की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए 53,358.34 लाख की योजनाओं को अनुमोदन दिया गया। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत किसानों को ज्यादा से ज्यादा फायदा देने के लिए राज्य सरकार प्रयास करती रही है।

मुख्य सचिव डॉ एसएस संधू ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि PMKSY-PDMC के तहत दी जाने वाली सब्सिडी को बढ़ाया जाना चाहिए। जिस पर समिति द्वारा सब्सिडी को 55% से बढ़ाकर 80% किए जाने पर सहमति बनी। इसके साथ ही, मुख्य सचिव ने कहा कि योजना के तहत दी जाने वाली सब्सिडी को डीबीटी के माध्यम से सीधे किसानों को दिया जाए। इसे भी समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया। मुख्य सचिव संधू ने कहा कि हमें पूरे क्षेत्र को सिंचित करने के बजाय प्लांट को सिंचित करने की ओर फोकस करना होगा। उन्होंने कहा कि इससे पानी की बर्बादी रुकेगी। इसके लिए ड्रिप और सप्रिंकलर इरिगेशन सिस्टम को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है।

मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधू ने केदारनाथ पुनर्निर्माण कार्यों एवं बदरीनाथ धाम मास्टर प्लान की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने केदारनाथ में चल रहे कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने हेतु कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लेबर को रहने खाने की समस्या ना हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए, साथ ही उनके बिलों का समय से भुगतान किया जाए। उन्होंने मैटेरियल की आपूर्ति एवं स्टोरेज की उचित व्यवस्था किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण सामग्री और ट्रांसपोर्टेशन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

आईएएस राधा रतूड़ी सम्हालेंगी राजस्व विभाग का अतिरिक्त जिम्मा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी से बड़ी खबर आयी है । उत्तराखंड की धामी सरकार ने प्रदेश की अनुभवी आईएएस अफसर और अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी को अध्यक्ष राजस्व परिषद की अहम ज़िम्मेदारी सौंपी है। आपको बता दें कि ये आदेश पूर्व मुख्य सचिव ओमप्रकाश की बीते दिनों सेवानिवृत्ति के बाद खाली हो गया था। ऐसे में ये पोस्ट किसी अनुभवी अधिकारी को दिए जाने की चर्चा थी जो अध्यक्ष राजस्व परिषद का पद राधा रतूड़ी की तैनाती किये जाने के बाद खत्म हो गयी है।

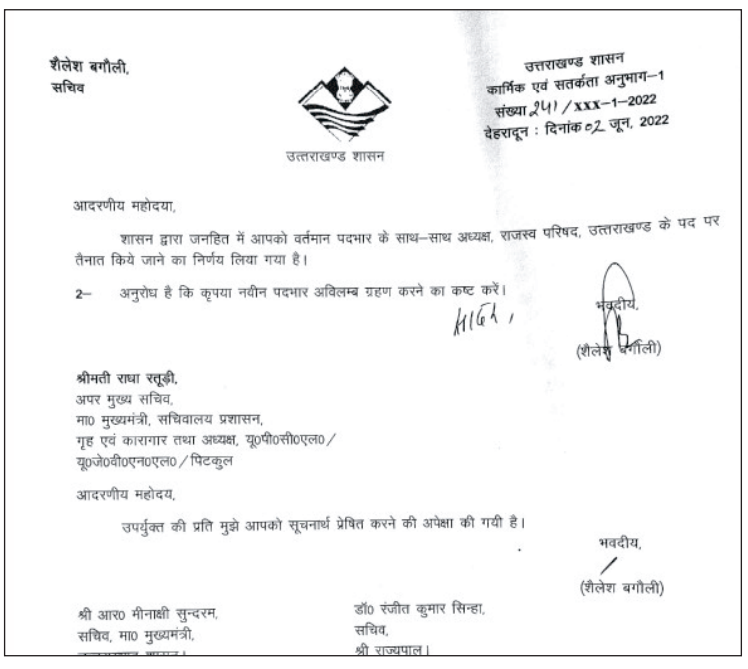

शैलेश बगौली,
सचिव

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड शासन
कार्मिक एवं सतर्कता अनुभाग–1
संख्या 241 / XXX–1–2022
देहरादून : दिनांक 02 जून, 2022

आदरणीय महोदया,

शासन द्वारा जनहित में आपको वर्तमान पदभार के साथ–साथ अध्यक्ष, राजस्व परिषद, उत्तराखण्ड के पद पर तैनात किये जाने का निर्णय लिया गया है।

2– अनुरोध है कि कृपया नवीन पदभार अविलम्ब ग्रहण करने का कष्ट करें।

भवदीय,
(शैलेश बगौली)

श्रीमती राधा रतूड़ी,
अपर मुख्य सचिव,
मा0 मुख्यमंत्री, सचिवालय प्रशासन,
गृह एवं कारागार तथा अध्यक्ष, यू0पी0सी0एल0 /
यू0जे0वी0एन0एल0 / पिटकुल

आदरणीय महोदय,

उपर्युक्त की प्रति मुझे आपको सूचनार्थ प्रेषित करने की अपेक्षा की गयी है।

भवदीय,
(शैलेश बगौली)

श्री आर0 मीनाक्षी सुन्दरम,
सचिव, मा0 मुख्यमंत्री,

डॉ0 रंजीत कुमार सिन्हा,
सचिव,
श्री राज्यपाल।

निशुल्क नेत्र जांच व आधार कार्ड शिविर में वित्त मंत्री प्रेमचंद ने बांटी बालिकाओं को पाठ्य सामग्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारद्वाज मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से आयोजित निशुल्क नेत्र जांच व आधार कार्ड शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने शिरकत की। इस दौरान बेटी मंत्री अग्रवाल ने बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं अभियान के तहत 60 बालिकाओं को पाठ्य सामग्री वितरित की।

अपर गंगानगर निकट चामुंडा मंदिर के समीप आयोजित शिविर का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल और प्रदेश मीडिया प्रभारी भाजपा मनवीर सिंह चौहान ने दीप प्रज्जवलित कर किया। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि भारद्वाज मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से पिछले छह वर्षों से लगातार जनहित के कार्य किए जा रहे हैं। ट्रस्ट के कार्यों की प्रशंसा करते हुए श्री अग्रवाल ने अन्य संगठनों को इससे प्रेरणा लेने को कहा।

वित्त मंत्री अग्रवाल ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा आयोजित नेत्र जांच और निशुल्क आधार कार्ड शिविर का लाभ जनता को मिलेगा। इस मौके पर उन्होंने गंगानगर सहित आसपास क्षेत्रों की 60 जरूरतमंद बालिकाओं को पाठ्य सामग्री (कॉपी, किताब, कलम, पेंसिल) वितरित की।

इस मौके पर गंगानगर, बनखंडी, शांतिनगर आदि क्षेत्रों के 150 लोगों के नेत्रों की निशुल्क जांच कर उचित परामर्श दिया गया। वहीं, आधार कार्ड बनाने को लोगों की भीड़ उमड़ी रहीं। इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष वीरेंद्र भारद्वाज, संरक्षक राधेश्याम भारद्वाज, उपाध्यक्ष धर्मेंद भारद्वाज, सचिव सुरेश भारद्वाज, कोषाध्यक्ष सुनीता भारद्वाज, सदस्य सुरेश गुप्ता, अनिल भगत, शिव बिष्ट, सुशील सैनी, लक्ष्मण सैनी, अमित कौशिक, डा. राजे नेगी, व्यापारी नेता प्रतीक कालिया, पार्षद शिव कुमार गौतम, कृष्ण कुमार सिंघल आदि उपस्थित रहे।

उत्तराखंड में सम्राट पृथ्वीराज फिल्म टैक्स फ्री

देहरादूनः उत्तराखंड सरकार ने भी सम्राट पृथ्वीराज फिल्म को टैक्स फ्री कर दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ट्वीट कर इस फिल्म को टैक्स फ्री करने की घोषणा की। सम्राट पृथ्वीराज के जीवन पर बनी इस फिल्म में प्रसिद्ध अभिनेता अक्षय कुमार मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। उत्तराखंड के अलावा उत्तर प्रदेश समेत कई राज्य इस फिल्म को टैक्स फ्री घोषित कर चुके हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ट्वीट कर राज्यवासियों से कहा कि देशप्रेम, साहस एवं पराक्रम से परिपूर्ण सम्राट पृथ्वीराज के जीवन पर आधारित इस फिल्म को अवश्य देखें।

मदरसे में फंदे से लटका मिला छात्र का शव

भगवानपुर (रुड़की)। एक मदरसे में पढ़ने वाले छात्र का शव संदिग्ध हालात में फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी ली। छात्र के कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला है। वहीं, घटना के बाद से मदरसे में हड़कंप मच गया है। भगवानपुर स्थित मदरसा हिदायतुल उलूम में छात्र मोहम्मद इमाज (17) निवासी काशीवरी, थाना जोकीहाट जिला अररिया (बिहार) पढ़ाई कर रहा था। बुधवार करीब ढाई बजे छात्र का शव उसके कमरे में फंदे से लटका मिला। मदरसे के मौलाना मोहम्मद राशिद ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक अमरजीत सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को फंदे से नीचे उतरवाया। प्रभारी निरीक्षक अमरजीत सिंह ने बताया कि छात्र के कमरे से सुसाइड नोट मिला है। इसमें मैं इस संसार से जुदा हो रहा हूं और मेरे लिए दुआ करते रहना लिखा हुआ है। छात्र के परिजनों को सूचना दे दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। उन्होंने बताया कि छात्र की मौत के मामले में सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

अपना गांव, घर ना छोड़े, पूर्वजों की विरासत, संस्कृति एवं संस्कारों को संजो कर रखें : ऋतू भूषण खंडूरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विकासखंड दुगड्डा के अंतर्गत झटरी गांव में आयोजित चार दिवसीय बलोदी पारिवारिक मिलन समारोह का शुभारंभ उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने किया । इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने गांव में पहुंचे प्रवासियों से आह्वान किया कि अपना गांव, घर ना छोड़े, पूर्वजों की विरासत, संस्कृति एवं संस्कारों को संजो कर रखें

यमकेश्वर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत झटरी गांव में पहुंचने पर ग्रामवासियों द्वारा विधानसभा अध्यक्ष का ढोल नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत किया गया । इस दौरान क्षेत्र के लोगों ने बड़े उत्साह के साथ माल्यार्पण कर ऋतु खंडूडी का सम्मान किया । बलोदी परिवारों द्वारा आयोजित पारिवारिक मिलन समारोह के दौरान 100 से अधिक प्रवासी परिवार गांव पहुंचे हैं। इस अवसर पर मांगल गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति आयोजित की गई ।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने पारिवारिक मिलन समारोह की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से हमें अपने गांव में रहकर अपनी संस्कृति का परिचय होता है । उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान सभी को एहसास हो चुका है कि अपना गांव अपना ही होता है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि आज के दौर में सभी लोग अपने-अपने क्षेत्र में अच्छा नाम कमा रहे हैं इसलिए सभी की जिम्मेवारी बनती है कि जिस माटी में जन्म लिया है उसका कर्ज चुकाया जाए, जिसके लिए हमें अपने बच्चों को गांव से जोड़ना होगा एवं उन्हें अपनी संस्कृति एवं संस्कारों का बोध कराना होगा । विधानसभा अध्यक्ष ने क्षेत्र के लोगों से अपील की कि आज के इस आधुनिक युग में टेक्नोलोजी, विजन एवं योजनाओं का उपयोग कर अपने क्षेत्र एवं गांव के विकास के लिए कार्य करें ।

उन्होने कहा कि आपसी सद्भाव से ही समाज को विकास के मार्ग पर अग्रसर किया जा सकता है। समाज में आपसी भाईचारे के माध्यम से ही सुंदर वातावरण का निर्माण किया जा सकता है, जो समाज की उन्नति के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इसके लिए जरूरी है कि हम समय-समय पर लोगों को आपस में मेलजोल बढ़ाने के लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करते रहे।

आज की भागदौड़ भरी जिन्दगी के कारण व्यक्तिवादी प्रवृति बढ़ रही है। ऐसी प्रवृति के कारण लोगों में अपने व अपने परिवार के बीच ही सिमटकर रहने की भावना बढ़ी है। आलम यह है कि परिवार में ही एक दूसरे सदस्यों के प्रति दुरियां बढ़ रही हैं, जो सामाजिक सरोकार के लिहाज से सही नहीं है। इससे हमारा सामाजिक तानाबाना व संस्कार खंडित हो रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम अपने समाज में रहने वाले दूसरे लोगों के भी गम व खुशी में सहभागी बने।

कांग्रेस की नव संकल्प क्रियान्वयन कार्यशाला से निकला भारत जोड़ो का संकल्प : सूर्यकान्त धस्माना

चार सत्रों में चली दो दिवसीय कार्यशाला में साठ से ज्यादा नेताओं ने अपने सुझाव साझा किए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आयोजित दो दिवसीय नवसंकल्प क्रियान्वयन कार्यशाला दूसरे दिन चार सत्र पूरे करने के पश्चात भारत जोड़ो का संकल्प ले कर समापन कर दिया गया। कार्यशाला के संयोजक पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने दो दिन चार सत्रों में चली कार्यशाला के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करण माहरा की अध्यक्षता में चली कार्यशाला में प्रदेश प्रभारी देवेंद्र यादव, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य,पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत,उप नेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी, एआईसीसी सचिव काज़ी निज़ामुद्दीन, पूर्व स्पीकर गोविंद सिंह कुंजवाल,पूर्व मंत्री हीरा सिंह बिष्ट,पूर्व मंत्री दिनेश अग्रवाल समेत पार्टी के विधायक गण, युवा कांग्रेस,महिला कांग्रेस व एनएसयूआई समेत सभी विभागों के प्रदेश अध्यक्ष व एआईसीसी के सदस्यों ने पार्टी की मजबूती के लिए अपने विचार व्यक्त किये।

नेताओं ने विस्तार से उदयपुर नवसंकल्प ऐलान पर चर्चा की व संकल्प को आम जनता तक ले जाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने पर चिंतन मंथन किया जिसका कल पार्टी प्रदेश प्रभारी व प्रदेश अध्यक्ष प्रेस कॉन्फ्रेंस कर घोषित करेंगे। सूर्यकान्त धस्माना ने बताया कि प्रदेश प्रभारी ने अपने संबोधन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सभी मतभेद भुला कर एकता के साथ संगठन को मजबूत करने के साथ साथ जन सरोकारों के लिए लंबे संघर्ष के लिए तैयार होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी के उदयपुर चिंतन शिविर ने जो दिशा पार्टी को दी निश्चित रूप से उत्तराखंड के पार्टी कार्यकर्ता उसके अनुरूप मेहनत करेंगे और जनसरोकारों के लिए संघर्ष कर पार्टी को दोबारा ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करण माहरा ने कहा कि उत्तराखंड में पार्टी को नई शुरुआत करनी है, पार्टी के आज 19 विधायक हैं जो 2017 में केवल 11 थे किंतु प्रीतम सिंह की अगुवाई में पार्टी फिर खड़ी हुई और 2022 आते आते हम कार्यकर्ताओं की मेहनत की बदौलत प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के आसार बन गए किंतु भाजपा के प्रपंचों से प्रदेश में हम सरकार तो नहीं बना पाए किंतु 11 से 19 हो गए इसलिए निराश और हताश होने की आवश्यकता नहीं है बल्कि दुगनी मेहनत कर फिर 2024 में वापसी की तैयारी करें।प्रदेश अध्यक्ष माहरा ने कहा कि आज भाजपा निचले पायदान पर उतर कर गाली गलौच पर उतर आई है, मसूरी में प्रदेश भाजपा प्रभारी द्वारा देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के प्रति कहे गए अपशब्दों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भाजपा के नेता इस प्रकार की टिप्पणियां कर देश की जनता के पुरखों को गालियां दी रहे हैं क्योंकि हमारे पुरखों ने ही नेहरू जी को 16 वर्षों तक देश का प्रधानमंत्री चुना था इसलिए नेहरू गांधी या किसी भी राष्ट्रीय नेता के प्रति अपशब्द कहने का अर्थ उन पुरखों को ही गाली देना है जिन्होंने उनको अपना नेता माना था।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि देश में लोकतंत्र को खतरा है, फासिस्टवादी ताकतें समाज में धर्म जाती व भाषा के आधार पर बांटने की साजिश लगातार कर रही है उससे कांग्रेस ही गांधीवादी रास्ते से मुकाबला कर सकती है । उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वर्तमान परिस्थितियों से भी खराब परिस्थितियों को देखा है और मुकाबला कर विजय हासिल की है। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि आज सरकार में जो ताकतें है उनको जनता के दुख दर्द से कोई सरोकार नहीं है और वे केवल साम्प्रदायिक बंटवारा कर सत्ता पर काबिज हैं। उन्होंने कहा कि गरीब,अनुसूचित जाति, जनजाति व अल्पसंख्यक आज प्रदेश व देश में अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं ,उन्होंने कहा कि उनके अंदर भरोसा जगाने की जिम्मेदारी कांग्रेस की है।

उप नेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी,सांसद प्रदीप टम्टा, गोविंद सिंह कुंजवाल, एआईसीसी सचिव काज़ी निज़ामुद्दीन,विधायक विक्रम सिंह नेगी,विधायक गोपाल राणा,विधायक आदेश चौहान,विधायक वीरेंद्र जाती, विधायक फुरखान, पूर्व विधायक मनोज रावत,पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण, पूर्व विधायक प्रेमानंदन महाजन, पूर्व विधायक दिनेश अग्रवाल,पूर्व विधायक हीरा सिंह बिष्ट ,पूर्व विधायक रंजीत रावत, कोषाध्यक्ष आयरेन्द्र शर्मा ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किये।

विधानसभा अध्यक्ष ऋतू खंडूड़ी भूषण ने चलाये तीर, बजी तालियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने गाड़ीघाट स्थित शशिधर भट्ट राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए स्टेडियम का निरीक्षण किया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने खिलाड़ियों से मिलकर उन्हें प्रोत्साहित भी किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने पूरे स्पोर्ट्स स्टेडियम का निरीक्षण किया साथ ही खिलाड़ियों के हॉस्टल, बैडमिंटन कोर्ट सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी ली । इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने तीरंदाजी में भी अपने हाथ आजमाएं वही खिलाड़ियों के साथ बैडमिंटन खेल कर खेल भावना का परिचय दिया ।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता है उन्होंने कहा की खिलाड़ियों और उनकी प्रतिभाओं की कमी नहीं हैं। कमी है तो संसाधनों की। खिलाड़ियों के लिए सुविधाओं को दुरस्त करने के लिए वह कार्य करेंगी। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि इस स्टेडियम से विभिन्न खेलों में खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड का नेतृत्व कर चुके हैं जो कि कोटद्वार वासियों के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा की प्रदेश सरकार पूरी गंभीरता से खेलों को प्रोत्साहन दे रही है। खेल और खिलाड़ियों को लेकर कई योजनाएं भी संचालित की जा रही हैं। स्टेडियम इंचार्ज ने बताया की स्टेडियम में वर्तमान में लगभग 200 बच्चे तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, बैडमिंटन, क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, वॉलीबॉल सहित अन्य खेलों का प्रशिक्षण स्टेडियम में ले रहे हैं । इस दौरान स्टेडियम के कोचों द्वारा विधानसभा अध्यक्ष से स्टेडियम के समीप लगे कूड़े के ढेर को हटाए जाने, फेंसिंग करवाए जाने, फुटबॉल ग्राउंड का विस्तारीकरण कर 400 मीटर ट्रैक बनवाए जाने, रात को खेल अभ्यास के लिए स्ट्रीट लाइट लगवाए जाने सहित अन्य समस्याओं के समाधान का भी आग्रह किया । खोह नदी में अनियमित चैनलाइजेशन का कार्य किये जाने से स्टेडियम पर खतरा मंडराने लगा है। चैनेलाइजेशन के नाम पर स्टेडियम की सुरक्षा दीवार की नींव खोदकर वहां से पत्थर हटा दिए हैं, जिससे सुरक्षा दीवार खोखली हो गई है और आने वाले बरसात में नदी के उफान पर आने से स्टेडियम के बहने का खतरा बन गया है। विधान सभा अध्यक्ष ने स्टेडियम के बाहरी परिसर का जायजा भी लिया एवं समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

क्या शाम को योग करना चाहिए? ये हैं फायदे और सावधानियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जब बात आती है शरीर को फिट और हेल्दी रखने की तो एक्सपर्ट सुबह जल्दी उठने, एक्सरसाइज, योगा या रनिंग करने की सलाह देते हैं। ऐसा माना जाता है कि सुबह के समय में अगर कोई भी फिजिकल एक्टिविटी की जाए तो यह हमारे शरीर के लिए काफी फायदेमंद साबित होती है। लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि आप शाम के समय योगा या एक्सरसाइज नहीं कर सकते हैं। खासकर योगा को लेकर ज्यादातर लोगों के मन में एक ही भ्रांति है कि इसे सुबह करने से ही लाभ मिलता है। शाम को योग करने से शरीर और दिमाग को लाभ नहीं मिलता है। शाम को योग करने से शरीर को किस तरह से फायदे मिलते हैं इसके लिए हमने दिल्ली-एनसीआर में प्रैक्टिस कर रहे योग गुरु दीपक तंवर से बातचीत की।

- शाम के वक्त योग करने से आपको रात में नींद अच्छी आती है। जिन लोगों को अनिद्रा की समस्या होती है, उन्हें योग गुरु शाम के वक्त योग करने की सलाह देते हैं।

शाम के वक्त योग करने से दिमाग शांत होता है। साथ ही यह दिनभर की थकान को मिटाने में सहायक साबित होता है।

- अगर आप शाम को योग कर रहे हैं तो यह शरीर को डिटॉक्स करने में मददगार साबित होता है।

- दिनभर आप किसी बात से परेशान हैं और आपका मन नेगेटिव महसूस कर रहा है तो शाम के वक्त योग करने से आपके शरीर को पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। इससे गुस्से पर कंट्रोल करने में भी मदद मिलती है.

शाम को योग करने में क्या है चुनौती?

- दरअसल, शाम को योग करना एक चैलेंज है। दिनभर ऑफिस की डेडलाइन, घर के काम करने के बाद आपका शरीर और दिमाग काफी थक चुका होता है। ऐसे में शाम को योग करने के लिए आपको अपने शरीर को मजबूर करना पड़ता है। शाम के वक्त दिमाग को कंसंट्रेट करने में परेशानी हो सकती है। एक्सपर्ट का कहना है कि अगर आप शाम को योगा कर रहे हैं तो शुरुआत के कुछ दिन आपको परेशानी हो सकती है, लेकिन एक वक्त के बाद आपको इसकी आदत हो जाएगी।

- एक्सपर्ट के मुताबिक शाम को योग करते समय कई बार आसपास के माहौल से भी परेशानी हो सकती है। सुबह आपको बिल्कुल शांत वातावरण मिलता है, लेकिन शाम के वक्त कोई एकांत जगह जहां पर बैठकर योग किया जा सके मिलना मुश्किल होता है।

'टेक नेक'-गर्दन झुकाकर हम रीढ़ पर 27 किग्रा वजन डालते हैं

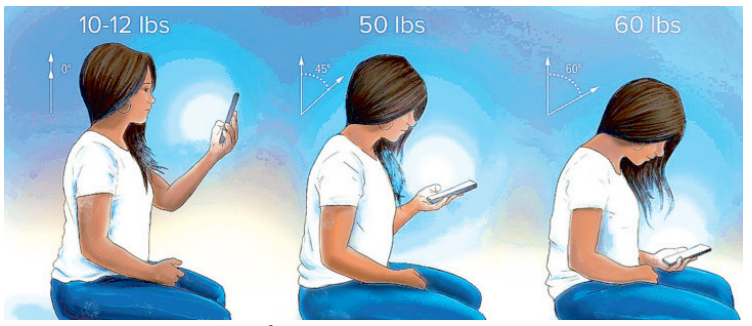

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कोरोना काल के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल और ऑफिस में कंप्यूटर पर काम का समय बढ़ गया। हम दिनभर मोबाइल और कंप्यूटर की तरफ सिर झुकाए रहते हैं। ऑस्ट्रेलिया के काइरोप्रैक्टर्स एसोसिएशन ने नए शोध में दावा किया है कि हम इसी तरह इन डिवाइस का ज्यादा इस्तेमाल करते रहे तो गर्दन और पीठ में कूबड़ निकल सकता है। वैज्ञानिकों ने इसे 'टेक नेक' नाम दिया है।

इस स्थिति में हमारी रीढ़ की हड्डी को झुकाव का सामना करना पड़ता है। ऑस्ट्रेलिया के रीढ़ विशेषज्ञों के मुताबिक, जब हम गर्दन आगे 60 डिग्री झुकाते हैं, तो रीढ़ पर 27 किग्रा वजन डालते हैं। वयस्कों पर हुए शोध के मुताबिक 42% वयस्क गर्दन दर्द से परेशान थे। इतने ही लोग गर्दन अकड़ने की समस्या से जूझ रहे थे। 36% को सिर में दर्द और 25%

लोग माइग्रेन से परेशान थे। करीब एक तिहाई ऑस्ट्रेलियाई वयस्कों ने कहा कि वे हर घंटे 5 से 30 बार अपने फोन का इस्तेमाल करते हैं। वहीं 10 में से एक ने माना कि वे ऐसा 40 बार तक करते हैं।

विशेषज्ञों ने इन्हें हर 30 से 60 मिनट में अपनी जगह से उठने और आसपास घूमने के लिए कहा। लेकिन युवाओं ने स्वीकारा कि उन्होंने इस सलाह को नहीं माना। आश्चर्यजनक रूप से वर्क फ्रॉम होम कर रहे 41% लोगों ने हर घंटे विराम लिया।

उत्तराखंड क्रिकेट से विवाद के बाद अब बांग्लादेश टीम को तराशेंगे वसीम जाफर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारत के पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर बांग्लादेश में युवा टैलेंट तराशने में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की मदद करते नजर आ सकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि वह BCB की खेल विकास डिपार्टमेंट से जुड़ सकते हैं। टीम इंडिया के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज वसीम जाफर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की खेल विकास डिपार्टमेंट से जुड़ सकते हैं। जहां वह अंडर-19 क्रिकेटरों के साथ-साथ बांग्लादेश के हाई परफॉर्मेंस सेंटर में भी काम करेंगे। जाफर इससे पहले 2019 के कुछ महीनों तक मीरपुर में बीसीबी एकैडमी के साथ बतौर बल्लेबाजी सलाहकार भी काम कर चुके हैं।

उस दौरान उन्होंने अंडर-16 और अंडर-19 के युवा खिलाड़ियों के दो ग्रुप के साथ काम किया था। इसके अलावा वह हाई परफॉर्मेंस कमिटी के साथ भी जुड़े हुए थे। वह 2018-19 में अबाहानी लिमिटेड के लिए ढाका प्रीमियर लीग में खेल चुके हैं। हाल ही में 44 वर्षीय जाफर ने ओडिशा की सीनियर मेंस टीम को भी बतौर हेड कोच अपनी सेवा दी थी।

जुलाई 2021 में उन्हें ओडिशा क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा दो साल का अनुबंध दिया गया था। अपने कार्यकाल के दौरान वह राज्य में कोचों के विकास कार्यक्रम का भी हिस्सा रहे थे। मार्च 2020 में एक खिलाड़ी के रूप में अपने संन्यास के बाद जाफर को उत्तराखंड का हेड कोच भी नामित किया गया था, लेकिन बाद में एसोसिएशन के साथ मतभेद के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने आईपीएल में पंजाब किंग्स के साथ 2019 से 2021 तक बल्लेबाजी सलाहकार के रूप में भी काम किया।

करीब दो दशकों तक क्रिकेट खेलने जाफर के नाम रणजी ट्रॉफी में सबसे अधिक 156 मैच खेलने का रिकॉर्ड है। उन्होंने भारत के लिए 31 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 34.10 के औसत से 1944 रन बनाए हैं। पांच शतक शामिल है। वह दो वनडे भी खेल चुके हैं। जाफर सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण के बाद भारतीय प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पांचवें सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

Hajj 2022 : श्रीलंका के मुसलमानों ने किया हजयात्रा 2022 न करने का फैसला, ये है वजह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

श्रीलंका में आर्थिक संकट काफी गहराया हुआ है। महिंदा राजपक्षे की जगह नए प्रधानमंत्री बने रानिल विक्रमसिंघे देश को आर्थिक संकट से उबारने के लिए बड़े फैसले ले रहे हैं। वहीं आम लोग रिकॉर्ड तोड़ महंगाई और कई जरुरी चीजों की कमी का सामना कर रहे हैं। इस बीच श्रीलंका के मुस्लिम समुदाय के लोग इस साल हज यात्रा में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है। देश के तीर्थयात्रा आयोजकों ने मंगलवार को ये घोषणा की है.

श्रीलंका की 22 मिलियन की आबादी का लगभग 10 फीसदी मुसलमान हैं, जो मुख्य रूप से बौद्ध हैं। अरब न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक इस साल, सऊदी अरब द्वारा पिछले महीने घोषणा किए जाने के बाद 1,585 श्रीलंकाई मुस्लिम समुदाय के लोगों के हज यात्रा पर जाने की उम्मीद थी। सऊदी अरब की सरकार ने इस बार 10 लाख विदेशी और घरेलू मुसलमानों को पवित्र शहर मक्का की यात्रा करने की अनुमति की घोषणा की है।

श्रीलंका के मुसलमान नहीं करेंगे इस बार हज यात्रा

देश के मुस्लिम धार्मिक मामलों के विभाग को एक पत्रा में ऑल सीलोन हज टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन और श्रीलंका के हज टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ने कहा है कि मौजूदा स्थिति और देश में आर्थिक संकट की पीड़ा से गुजर रहे लोगों को देखते हुए दोनों संघों के सदस्यों ने इस साल के हज को बलिदान करने का फैसला किया। इसलिए देश के कोई भी मुसलमान इस बार हज यात्रा पर नहीं जाएंगे।

आर्थिक संकट को देखते हुए फैसला!

हज टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रिजमी रियाल ने कहा कि देश के सामने गंभीर डॉलर संकट की वजह से ऑपरेटर्स का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया है। बता दें कि श्रीलंका की अर्थव्यवस्था बुरी तरह से चरमरा गई है। इस महीने की शुरुआत में वित्त मंत्रालय ने अनुमान लगाया था कि इसका उपयोग करने योग्य विदेशी भंडार 5 करोड़ से कम है। श्रीलंका के मुस्लिम धार्मिक मामलों के विभाग के तहत राष्ट्रीय हज समिति के अध्यक्ष अहकाम उवैस ने कहा कि श्रीलंकाई तीर्थयात्रियों के पूरे हज संचालन पर लगभग 10 मिलियन डॉलर का खर्च आएगा, जो देश की वर्तमान आर्थिक स्थिति के अनुकूल नहीं है।

डॉ नित्यानंद हिमालयी शोध केंद्र : त्रिवेंद्र राज में हुआ भूमिपूजन, धामी सरकार ने किया

दून युनिवर्सिटी में CM धामी ने किया डॉ नित्यानंद हिमालयी शोध केंद्र का लोकार्पण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून दून विश्वविद्यालय परिसर में बने डॉक्टर नित्यानंद हिमालय शोध एवं अध्ययन केंद्र का लोकार्पण किया.. सीएम ने अध्ययन केंद्र की पहली कार्यशाला के उद्घाटन कार्यक्रम में भी भाग लिया... इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ राज्यसभा सांसद नरेश बंसल भी मौजूद रहे... कार्यक्रम में प्रदेश के कई बुद्धिजीवी और अलग अलग क्षेत्र से जुड़े लोग भी मौजूद रहे...

आपको याद दिला दें कि 9 फरवरी 2018 को तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने दून विश्वविद्यालय देहरादून में डॉक्टर नित्यानन्द हिमालयी शोध एवं अध्ययन केन्द्र का भूमि पूजन कर शिलान्यास किया था... 0.39 हैक्टेयर भूमि पर 22 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से निर्मित हुए इस शोध एवं अध्ययन केन्द्र का निर्माण ब्रिडकुल ने किया... इस संस्थान में भूगोल और भू-गर्भ के एमएससी कक्षाओं की पढ़ाई होगी साथ ही शोध कार्य भी होंगे...

जानिए कौन थे प्रख्यात शिक्षाविद नित्यानंद:

डॉक्टर नित्यानंद लंबे समय तक डीबीएस पीजी कॉलेज में पहले भूगोल विभाग के रीडर व बाद में विभागाध्यक्ष रहे... यहां से सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने उत्तरकाशी के मनेरी भाली में एक आश्रम से जनसेवा शुरू की. उन्होंने उत्तरकाशी में आए भूकंप के दौरान लोगों की सेवा की है... उन्होंने सेवा आश्रम के मध्यम से गरीब व जरूरतमंद ग्रामीण युवाओं को शिक्षा से जोड़ा... उन्होंने अपना पूरा जीवन हिमालय के चिंतन पर व्यतीत किया...

ऋषिकेश पहुंचे डीएम राजेश कुमार ने तीर्थयात्रियों को पिलाया पानी, दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चार धाम यात्रा को सफल और बिना किसी समस्या के संपन्न कराने के लिए राज्य सरकार गंभीर है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज के निर्देशों पर जिलाधिकारी डॉ आर राजेश कुमार लगातार यात्रा मार्गों पर सख्त नज़र रखे हुए हैं। समय समय पर खुद फील्ड में जाकर रियलिटी चेक भी कर रहे हैं जिससे यात्रिओं की समस्याओं और अधिकारीयों की गंभीरता को परखा जा सके। इसी कर्म में डीएम राजेश कुमार और डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जन्मेजय खंडूरी ने ऋषिकेश में चारधाम यात्रा की विभिन्न व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया और श्रद्धालुओं से उनके अनुभव जाने।

तीर्थयात्रियों की सुविधा और यात्रा के दौरान पर्यटकों को सहूलियत मिले इसके लिए निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बस स्टैंड पर वाटर कूलर बढ़ाई जाने के साथ ही मोबाइल टॉयलेट लगाने के निर्देश साथ ही नगर निगम ऋषिकेश के अधिकारियों को बस स्टैंड पर सफाई व्यवस्था हेतु और कार्मिक बढ़ाए जाने के निर्देश दिए। इससे पूर्व जिलाधिकारी ने नटराज चौक पर यात्रियों के ठहरने हेतु बनाए गए यात्री विश्राम गृह का निरीक्षण किया इस दौरान जिलाधिकारी ने यात्रियों को खुद पीने का पानी भी वितरित किया।

जिलाधिकारी एवं डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मशाला, सहित तो टोकन वितरित करने हेतु बनाए गए स्थल भरत मंदिर इंटर कॉलेज का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यात्रियों की समस्याओं को सुना। तथा यात्रियों को जल्द रजिस्ट्रेशन कर यात्रा हेतु रवाना करने का भरोसा दिलाया इस दौरान उन्होंने राजकीय चिकित्सालय का भी निरीक्षण किया तथा वहां परिसर में ठहराए गए यात्रियों से भी बात की उन्होंने यात्रियों की समस्या को निस्तारण हेतु उप जिलाधिकारी ऋषिकेश सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

संपादकीय

मंदिर आय का सही निवेश

राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में मंदिरों की आय के सदुपयोग को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार के सुझाव प्रशंसनीय हो सकते हैं, लेकिन हिमाचल के संबंध में मंदिरों के प्रबंधन पर कहीं अधिक तवज्जो देने की जरूरत है। मंदिरों की आय पर पहला हक श्रद्धालुओं की सुविधाएं बढ़ाने से उस श्रद्धा के नाम होगा, जिसके चलते अस्सी फीसदी पर्यटक हिमाचल आते हैं। विडंबना यह है कि धार्मिक पर्यटन को केवल मंदिर व्यवस्था मान लिया गया है या इसकी क्षमता का सही मूल्यांकन ही नहीं हुआ। शांता कुमार मंदिरों की आय को तीन लाख करोड़ मानते हैं, तो इसमें हिमाचल के सौ-डेढ़ सौ करोड़ तो दिखाई भी नहीं देते या हमने इस क्षमता को केवल एक सीमित गतिविधि के तौर पर ही देखा है। हिमाचल अगर तय कर ले कि मंदिर आय अगले कुछ सालों में दो हजार करोड़ तक पहुंचानी है, तो प्रमुख धार्मिक स्थलों को आर्थिक केंद्रों के रूप में विकसित करना होगा। यह वर्तमान ढर्रे में असंभव इसलिए है, क्योंकि हर मंदिर अपने-अपने ट्रस्ट के मार्फत केवल क्षेत्रीय राजनीतिक वर्चस्व में फंसा है। इस तरह आय-व्यय का हिसाब अनावश्यक कर्मचारियों की अप्रत्यक्ष नियुक्तियों तक सिमट गया है। दियोट सिद्ध मंदिर की आय का सबसे बड़ा हिस्सा केवल कर्मचारियों की पगार को ही पुरस्कृत कर रहा है। ऐसे में सरकार के अधीन चल रहे समस्त मंदिरों के लिए एक केंद्रीय ट्रस्ट, मंदिर विकास बोर्ड या प्राधिकरण के गठन की जरूरत है ताकि पारदर्शिता के साथ इनका संचालन हो सके। मंदिर व्यवस्था को अपना स्वतंत्र कॉडर तैयार करना होगा और यह सरकारी नौकरी की तरह नहीं, बल्कि एक अलग परिपाटी के तहत सुनिश्चित करना होगा। हिमाचल में मंदिर आय बढ़ाने का संकल्प ही तय करेगा कि मंदिर विकास प्राधिकरण के तहत प्रदेश में टैंपल सिटी कैसे विकसित हो सकती है और आय के विविध स्रोत कैसे बढ़ेंगे। मसलन अगर ज्वालाजी या दियोट सिद्ध मंदिर परिसरों को अपनी आमदनी बढ़ानी है, तो इनके साथ स्थानीय निकाय जोड़ते हुए एक विस्तृत इलाके को नई भूमिका में रूपांतरित करना होगा। कम से कम छह या सात ऐसे मंदिर हैं जो अपने प्रारूप में धार्मिक नगरियों का महत्त्व, दक्षिण भारत की मंदिर व्यवस्था की तरह जोड़ पाएंगे। ये धार्मिक नगरियां उच्च कोटि की टूरिस्ट डेस्टिनेशन, सांस्कृतिक केंद्र, व्यापारिक परिसर, समागम स्थल और आर्थिक रूप से नए निवेश केंद्रों के रूप में भविष्य की आशा जगा सकती हैं। इतना ही नहीं मंदिरों की परिकल्पना और परिक्रमा के नए स्वरूप के साथ ये नगरियां कुछ उत्पादों के जरिए प्रदेश के खान-पान, स्मृति चिन्हों और हिमाचली विशिष्टता को पर्यटकों तक पहुंचा सकती हैं। मसलन ज्वालामुखी के पेड़े, दियोटसिद्ध के रोट, पर्वतीय शुद्धता से परिपूर्ण धूप, शहद, आम पापड़, शाल-टोपी, लकड़ी का सामान, चंबा रूमाल व कांगड़ा पेंटिंग के बड़े उत्पादन केंद्रों के रूप में इन नगरियों की भूमिका बढ़ेगी, जबकि लोक कलाकारों की प्रतिभा के प्रदर्शन को नियमित करके सैकड़ों लोगों को आजीविका कमाने का अवसर भी देंगी। हिमाचल के मंदिर अगर केंद्रीय ट्रस्ट या मंदिर विकास प्राधिकरण के तहत अपना विस्तार करते हुए आमदनी को दो से पांच हजार करोड़ पहुंचाते हैं, तो कल मंदिर रेल परियोजना, रज्जु मार्ग, मनोरंजन पार्क, धार्मिक शहर व्यवस्था, खेल, संस्कृति एवं शैक्षणिक योगदान में आय का यह स्रोत पूरे प्रदेश की स्थिति बदल देगा। राष्ट्रीय स्तर पर अगर दक्षिण भारत के मंदिरों के अलावा शिरड़ी व वैष्णो देवी मंदिरों ने अपनी निजी आय को हजार-हजार करोड़ से ऊपर पहुंचाया है, तो हिमाचल के मंदिरों की आय का सही निवेश जरूरी है और यह भी कि पर्यटन को प्राथमिक मानते हुए मंदिर परिसरों के आवश्यक विकास के लिए एक उच्च स्तरीय गवर्निंग बाडी चाहिए।

अब अल्मोड़ा में बिना पुलिस सत्यापन किराये पर रखना रहना पड़ेगा भारी : प्रदीप राय , एसएसपी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

एसएसपी अल्मोड़ा प्रदीप कुमार राय ने सभी थाना/ चौकी प्रभारियों को अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए किरायेदार,घरेलू नौकर,फड़ फेरी,बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन हेतु सघन अभियान चलाकर बिना सत्यापन किरायेदार रखने वाले मकान मालिकों के व बिना सत्यापन फड़, फेरी लगा रहे बाहरी व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश पर अल्मोड़ा पुलिस द्वारा सत्यापन अभियान चलाया गया।

अल्मोड़ा में सत्यापन अभियान में एक महीने में अब तक कुल 6147 लोगों का सत्यापन किया गया हैं तथा कुल 185 बिना सत्यापन किरायेदार, घरेलू नौकर रखने वाले मकान मालिकों व बिना सत्यापन फड़,फेरी लगाने वाले बाहरी व्यक्तियों के विरुद्ध उत्तराखण्ड पुलिस अधिनियम में चालानी कार्यवाही की गई है। अल्मोड़ा पुलिस द्वारा गोष्ठी व लॉउडस्पीकर के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को किरायदारों का सत्यापन करने के लिए जागरुक किया जा रहा है। जिससे जनपद क्षेत्र मे किसी प्रकार के अवांछनीय तत्व प्रवेश न कर पाये । जानकारी देते हुए अल्मोड़ा पुलिस ने बताया है कि सत्यापन अभियान आगे भी सख्ती के साथ लगातार जारी रहेगा

हरिद्वार में पुलिस की अपील पर धार्मिक स्थलों से उतारे गए लाउडस्पीकर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वारः हरिद्वार पुलिस की अपील पर मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे से लाउडस्पीकर उतारे गए। धर्म स्थलों पर लगे लाउडस्पीकर को लेकर हरिद्वार जिले में पुलिस प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का अनुपालन कराने की कवायद शुरू की है। जिसके तहत थाने कोतवाली में बैठक कर मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा आदि धर्मस्थलों से जुड़े पदाधिकारियों से लाउडस्पीकर उतारने की अपील की जा रही है। पुलिस का कहना है कि अनुमति लेने के बाद ही तय मानकों के अनुसार लाउडस्पीकर चलाए जाएं।

बुधवार को पथरी थाने में इस संबंध में बैठक हुई थी। इसके बाद गुरुवार को पथरी क्षेत्र के फेरूपुर, बादशाहपुर, धनपुरा, ऐथल, पदार्था आदि गांव में स्थानीय ग्रामीणों ने खुद ही मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारों से लाउडस्पीकर उतार लिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा. योगेंद्र सिंह रावत ने बताया कि इस संबंध में सभी थाना प्रभारियों को बैठक करने के निर्देश दिए गए हैं।

लोग से भी अपील की जा रही है कि वह खुद ही अपने स्तर से लाउडस्पीकर उतार लें और अनुमति लेने के बाद मानकों के अनुरूप उनका इस्तेमाल करें। इस अपील का कई गांवों में असर देखने को मिला है। लोग ने खुद ही मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारों से लाउडस्पीकर उतार लिए हैं।

हरिद्वारः चारधाम यात्रा कर लौटे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाई पंकज मोदी ने परिवार समेत भूपतवाला स्थित चेतन ज्योति आश्रम पहुंचकर स्वामी ऋषिश्वरानंद महाराज से आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि संत परंपरा पूरे विश्व में भारत को महान बनाती है। स्वामी ऋषिश्वरानंद महाराज एक विद्वान व तपस्वी संत हैं। पंकज मोदी ने कहा कि राम मंदिर, तीन तलाक, धारा 370 जैसे अहम मसलों का निवारण हुआ है, यह मोदी सरकार में ही संभव है।

पर्यटकों को भा रहा लच्छीवाला नेचर पार्क

डोईवाल। लच्छीवाला पिकनिक स्पाट के रूप में पहले से पहचान रखता है, लेकिन अब इसे नेचर पार्क के तौर पर विकसित किया गया है। इस नए स्वरूप में यह नेचर पार्क सैलानियों के आकर्षण का केंद्र तो बना ही है, वहां से लोग प्रकृति और अपनी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का संदेश लेकर भी जा रहे हैं। साथ ही गर्मियों बढने से यहां पर पर्यटकों की संख्या में खासा इजाफा हुआ है। इसी के साथ वन विभाग की आमदनी में बढ़ोतरी हो रही है। लच्छीवाला वाटर पार्क पहले केवल पर्यटक गर्मियों में नहाने के इरादे से ही आते थे। वहीं अब इसके नए स्वरूप में आने के बाद से 12 महीने यहां पर्यटक आ रहे हैं।

नेचर पार्क में पहुंचने वाले सैलानियों को धरती माता की प्रतिकृति धरा को हरा-भरा बनाने का संदेश देती नजर आती है। इसके साथ ही हर्बल गार्डन में आप औषधीय पौधों से परिचित होते हैं तो बटरफ्लाई गार्डन में रंग-विरंगी तितलियां आल्हादित कर देती हैं। इसी का परिणाम है कि पहले के मुकाबले अब काफी अधिक संख्या में पर्यटक यहां पर आ रहे हैं।

जिससे वन विभाग को भी पूर्व से ज्यादा राजस्व मिला रहा है।इस नेचर पार्क में बने म्यूजियम धरोहर में उत्तराखंड की संस्कृति से लेकर अंग्रेजी शासन काल के समय की तमाम जानकारियां यहां उपलब्ध हैं। धरोहर में जाकर हम उत्तराखंड की पारंपरिक वेशभूषा एवं आभूषण, पारंपरिक बीज एवं अनाज, पारंपरिक उपकरण एवं बर्तन, पारंपरिक चित्रकला, पारंपरिक नृत्य व वाद्य यंत्र आदि की जानकारी ले सकते हैं। वहीं यहां स्थित वीआर रूम भी बच्चों व बुजुर्गों के लिए मनोरंजन का केंद्र बना हुआ है। नेचर पार्क में वोटगि के अलावा म्यूजिकल फाउंटेन शो का भी पर्यटक आनंद ले सकते हैं। यहां पर लगे विभिन्न प्रकार के झूले बच्चों को खूब मनोरंजन करते हैं वही रोज गार्डन के अलावा औषधीय पौधे व तुलसी वाटिका भी पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है। बाहर से आए पर्यटक मनीष पंवार ने बताया कि लच्छीवाला नेचर पार्क अब काफी अलग स्वरूप में नजर आ रहा है। जो कि पूर्व से बेहतर है। यदि यहां नहाने के लिए भी और अच्छी व्यवस्था की जाएं तो पर्यटकों की ओर अधिक तादाद यहां बढ़ जाएगी।

संघ प्रमुख बोले- हर मस्जिद में शिवलिंग की तलाश क्यों, हमें रोजाना एक नया मुद्दा नहीं लाना चाहिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को ज्ञानवापी मस्जिद के बारे में कहा कि कुछ जगहों के प्रति हमारी अलग भक्ति थी और हमने उसके बारे में बात की, लेकिन हमें रोजाना एक नया मुद्दा नहीं लाना चाहिए। ज्ञानवापी के प्रति हमारी भक्ति है और उसी के अनुसार कुछ करना ठीक है, लेकिन हर मस्जिद में शिवलिंग की तलाश क्यों?

नागपुर में संघ शिक्षा वर्ग तृतीय वर्ष 2022 के समापन समारोह में सरसंघचालक ने कहा, जहां हिंदुओं की भक्ति है, वहां मुद्दे उठाए गए हैं। हिंदू मुसलमानों के खिलाफ नहीं सोचते, मुसलमानों के पूर्वज भी हिंदू थे। हिंदुओं को लगता है कि उन्हें हमेशा के लिए स्वतंत्रता से दूर रखने और मनोबल दबाने के लिए धर्मस्थलों को तोड़ा गया था, इसलिए धार्मिक स्थलों को पुनर्स्थापित किया जाना चाहिए।

संघ प्रमुख ने कहा, मन में कोई मुद्दा हो तो उठ जाता है। यह किसी के खिलाफ है, ऐसा नहीं माना जाना चाहिए। कुछ ऐसा है तो आपसी सहमति से रास्ता खोजें। हालांकि हर बार रास्ता नहीं निकल सकता, जिसके कारण लोग अदालत जाते हैं। हमें अपनी न्यायिक प्रणाली को पवित्र और सर्वोच्च मानते हुए फैसलों का पालन करना चाहिए। उसके फैसलों पर सवाल नहीं उठाना चाहिए।

भागवत ने कहा, भारत को विश्व विजेता नहीं बनना है। भारत किसी को जीतने के लिए नहीं बल्कि सभी को जोड़ने के लिए अस्तित्व में है। उन्होंने पूछा, क्या हम विश्व विजेता बनना चाहते हैं? नहीं, हमारी ऐसी कोई आकांक्षा नहीं है। हमें किसी को जीतना नहीं है। हमें सबको जोड़ना है। संघ भी सबको जोड़ने का काम करता है, जीतने के लिए नहीं।

उन्होंने कहा, बिना नीति के सत्ता निरंकुश हो जाती है, जैसा हम यूक्रेन में देख सकते हैं। रूस ने यूक्रेन पर हमला किया। इसका विरोध हो रहा है लेकिन कोई भी उसे रोकने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा, क्योंकि उसके पास शक्ति है। भारत पर्याप्त रूप से शक्तिशाली होता तो युद्ध को रोक देता लेकिन ऐसा नहीं है। हमारी शक्ति अब भी बढ़ रही है।

लॉरेंस बिश्नोई का भांजा बोला- मैंने बरसाईं थीं मूसेवाला पर गोलियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

खुद को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भांजा बताते हुए सचिन बिश्नोई नामक एक व्यक्ति ने फोन पर दावा किया है कि विक्की मिड्डूखेड़ा की हत्या का बदला लेने के लिए उसने ही सिद्धू मूसवाला की हत्या की है। एक टीवी चैनल को वर्चुअल फोन करके इस व्यक्ति ने कई अन्य खुलासे भी किए हैं। उसका कहना है कि उसी ने मूसेवाला पर गोलियां बरसाई थीं। वह और लॉरेंस बिश्नोई एक ही गांव के हैं। हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी है कि फोन करने वाला बिश्नोई का भांजा है या नहीं।

सचिन बिश्नोई ने फोन पर न्यूज चैनल को बताया कि यह कोई पब्लिसिटी स्टंट नहीं था और न ही अपनी ताकत दिखाने के लिए किया गया है। उसने कहा कि मिड्डूखेड़ा हत्याकांड में सिद्धू मूसेवाला का नाम आया था। कौशल गैंग के शूटरों ने पुलिस के आगे कबूल किया था कि मिड्डूखेड़ा के कातिलों को सिद्धू मूसेवाला ने मदद की थी। उन्हें रहने की जगह उपलब्ध कराई थी और उन्हें पैसों से भी मदद की थी। उसने आगे कहा कि दिल्ली पुलिस ने भी इस मामले में सिद्धू मूसेवाला का नाम लिया था, लेकिन पंजाब पुलिस ने जब सिद्धू मूसेवाला के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की तो हमें खुद कार्रवाई करनी पड़ी।

बोला- हमारे पास ऐसे हथियार हैं, जो हॉलीवुड की फिल्मों में देखे जाते हैं

कनाडा में छिपे गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के बारे में सचिन बिश्नोई ने कहा कि वह हमारा बड़ा भाई है और उसके भाई के कत्ल के मामले में भी सिद्धू मूसेवाला का हाथ था। सचिन ने कहा कि चंडीगढ़ में गुरलाल बराड़ की हत्या भी सिद्धू मूसेवाला ने कराई थी। वह कनाडा में बैठे गैंगस्टर गोल्डी बरार का भाई था। इसके बावजूद सिद्धू मूसेवाला पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

उसने कहा कि हमारा मकसद सिर्फ बदला लेना था। मूसेवाला की हत्या कर विक्की मिड्डूखेड़ा और गुरलाल बराड़ की हत्या का बदला ले लिया है। मूसेवाला की हत्या में अत्याधुनिक हथियारों के उपयोग के बारे में सचिन बिश्नोई ने दावा किया कि उनके पास इनसे भी बड़े हथियार हैं और ऐसे हथियार भी हैं, जो आम लोगों ने हॉलीवुड की फिल्मों में देखे होंगे।

अजीत डोभाल ने की अमित शाह से मुलाकात, रॉ चीफ भी रहे बैठक में मौजूद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर पर एक महत्वपूर्ण बैठक से पहले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। और माना जा रहा है कि उन्होंने शाह के साथ जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की, जहां 12 मई से टारगेट हत्याओं की बाढ़ आ गई है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि अजीत डोभाल और रॉ प्रमुख सामंत गोयल आज दोपहर नॉर्थ ब्लॉक में गृह मंत्री के कार्यालय में अमित शाह के साथ करीब एक घंटे तक रहे।

इस बैठक का विवरण सामने नहीं आया लेकिन माना जा रहा है कि उन्होंने अशांत कश्मीर की स्थिति पर चर्चा की थी जहां आज सुबह राजस्थान के एक बैंक कर्मचारी की हत्या कर दी गई जो तीसरे गैर-मुस्लिम सरकारी कर्मचारी हैं जिनकी कुछ दिनों के भीतर ही हत्या हुई है। शाह जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति पर चर्चा के लिए शुक्रवार को उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। एक पखवाड़े से भी कम समय में यह दूसरा ऐसा मौका है जो ऐसे समय में हुआ है जब घाटी में आतंकवादी टारगेट हत्याएं कर रहे हैं।

डोभाल के शुक्रवार की बैठक में भी शामिल होने की उम्मीद है जिसकी अध्यक्षता गृह मंत्री करेंगे। जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और केंद्र सरकार और केंद्र शासित प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारी भी इस बैठक में भाग लेंगे। इसमें कोरोना के कारण दो साल के अंतराल के बाद होने वाली वार्षिक अमरनाथ यात्रा की व्यवस्था का जायजा लेने की भी उम्मीद है। सुरक्षा की मांग को लेकर कश्मीरी पंडित समुदाय के विरोध और टारगेट किलिंग के बाद कुछ गैर-मुस्लिमों के घाटी छोड़ने के बीच यह बैठक होगी।

भाजपा-जजपा फिर से मिलकर लड़ेंगे चुनाव, भाजपा 14 तो जजपा 4 सीटों पर उतारेगी प्रत्याशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरियाणा भाजपा ने निकाय चुनाव अकेले लड़ने का फैसला पलट दिया है। कांग्रेस के मैदान से हटने के बाद पार्टी भाजपा सरकार में सहयोगी जजपा के साथ मिलकर ही नगर परिषद चुनाव लड़ेगी। जजपा को टोहाना, नरवाना, मंडी डबवाली और नूंह नगर परिषद सौंपी हैं। नगरपालिकाओं में साथ चुनाव लड़ने का फैसला जिला इकाइयां करेंगी।

हरियाणा निवास में गुरुवार देर शाम दोनों दलों के बड़े नेताओं की बैठक में लिए फैसले की जानकारी भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ओपी धनखड़ और जजपा प्रदेशाध्यक्ष सरदार निशान सिंह ने दी। वरिष्ठ नेताओं ने विचार-विमर्श कर फैसला लिया कि 4 नगरपरिषद में जजपा और 14 में भाजपा चुनाव लड़ेगी।

पार्टी कार्यकर्ता गठबंधन प्रत्याशियों की जीत के लिए प्रचार करेंगे। जजपा अपने घोषित उम्मीदवारों से चर्चा कर जल्द दोबारा सूची जारी करेगी। भाजपा ने बीते दिनों हिसार में हुई प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में निकाय चुनाव अलग लड़ने का फैसला लिया था। उसके बाद जजपा ने भी अकेले चुनाव लड़ने की अपनी तैयारी में उम्मीदवारों की दो सूची भी जारी कर दी। भाजपा अभी तक अपने उम्मीदवार घोषित नहीं कर पाई है। गुरुवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल, ओपी धनखड़ की प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े और संगठन महामंत्री रवींद्र राजू के साथ भी निकाय चुनाव को लेकर चर्चा हुई। कांग्रेस के नगर परिषद चुनाव सिंबल पर न लड़ने से मुख्य मुकाबला भाजपा-जजपा उम्मीदवारों के ही बीच होने पर भी गहन मंथन हुआ। वरिष्ठ नेताओं की चर्चा में यह निकला कि गठबंधन सहयोगियों के आमने-सामने होने का गलत संदेश जाएगा। चूंकि, आप और इनेलो मुकाबले में नहीं हैं। निर्दलीय उम्मीदवारों को भाजपा-जजपा के अलग-अलग लड़ने का फायदा हो सकता है, इसलिए नगर परिषद चुनाव मिलकर ही लड़ने चाहिए। इस पर भाजपा ने जजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ संपर्क स्थापित कर देर शाम चंडीगढ़ में बैठक बुलाई और नगर परिषद का बंटवारा किया।

वडोदरा में कैमिकल फैक्ट्री में धमाके के बाद आग लगी, 15 लोगों के घायल

गुजरात। गुरुवार को एक हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि वडोदरा के नांदेसरी जीआईडीसी में दीपक नाइट्रेट में आग लग गई। इसके बाद धमाके की आवाज आई। मामले में ज्यादा जानकारी जुटाई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, दीपक नाइट्रेट नाम की एक फैक्ट्री में जबरदस्त धमाका हुआ। इसके बाद यहां भीषण आग लग गई।

हादसे में 15 कर्मचारी घायल बताए जा रहे हैं। रेस्क्यू के लिए फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर मौजूद है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फायर ब्रिगेड के एक कर्मचारी ने बताया कि धमाका एक बॉयलर में हुआ था।

इसके बाद आग पूरे प्लांट में फैल गई और इसकी चपेट में आकर कई दो अन्य बॉयलर भी फट गए। पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा